L. N. MITHILA UNIVERSITY
DARBHANGA (BIHAR)
I.A. 12 (IA [illegible])

Dr. Pramod Kumar Sahu,
Assist. Professor.
Guest Teacher.
V.S.J College Rajnagar
Madhubani (Bihar)
pramodkumar[illegible]2018@gmail.com.

PAPER (Class-12)
Psychology -
Topic - मनोवैज्ञानिक गुणों के कुछ क्षेत्र :-

मनोवैज्ञानिक गुण रेखीय अथवा एकविमीय नहीं होते। वे जटिल होते हैं। और उन्हें कई विमाओं द्वारा व्यक्त किया जा सकता है। कोई एक रेखा बहुत से बिंदुओं का एक समूह होती है। और बिन्दु कोई स्थान नहीं घेरता। परंतु एक डिब्बे के बारे में सोचें तो यह स्थान घेरता है। डिब्बे का वर्णन उसकी तीन विमाओं की सहायता से किया जा सकता है। ये तीन विमाएं हैं। उसकी लंबाई चौड़ाई तथा ऊँचाई। यही स्थिति मनोवैज्ञानिक गुणों की भी होती है। ये गुण सामान्यतया बहुविमात्मक या बहुपक्षीय होते हैं। यदि आप किसी व्यक्ति का पूर्ण मूल्यांकन करना चाहते हैं तो आपको यह मूल्यांकन करना होगा कि वह विभिन्न क्षेत्रों जैसे- संज्ञानात्मक, सांवेगिक, सामाजिक आदि में कैसे व्यवहार या निष्पादन करता है। इस अध्याय में हम मनोवैज्ञानिकों की अभिरुचि के कुछ महत्वपूर्ण गुणों का वर्णन करेंगे। इन गुणों का संवर्गीकरण मनोवैज्ञानिक साहित्य में उल्लिखित अनेक प्रकार के मनोवैज्ञानिक परीक्षणों पर आधारित है।

(1) बुद्धि (intelligence) को आपने परिवेश को समझने, सविवेक चिंतन करने तथा किसी चुनौती के सामने होने पर उपलब्ध संसाधनों का प्रभावी ढंग से उपयोग करने की व्यापक क्षमता से है। बुद्धि परीक्षणों से व्यक्ति की व्यापक सामान्य संज्ञानात्मक सक्षमता तथा विद्यालयीय शिक्षा से लाभ उठाने की योग्यता का मान होता है।

सामान्यतया कम बुद्धि लब्धि वाले विद्यार्थी विद्यालय की परीक्षाओं में उतना अच्छा निष्पादन करने की संभावना नहीं रखते परन्तु जीवन के अन्य क्षेत्रों में उनकी सफलता की प्राप्ति की संभावना मात्र बुद्धि परीक्षणों पर उनके प्राप्तांकों से नहीं होता।

(2) अभिक्षमता (aptitude) का अर्थ किसी व्यक्ति की कौशलों के अर्जन के लिए अंतर्निहित संभाव्यता से है। अभिक्षमता परीक्षणों का उपयोग यह पूर्वकथन करने में किया जाता है। कि व्यक्ति उपयुक्त पर्यावरण और प्रशिक्षण प्रदान करने पर कैसा निष्पादन कर सकेगा, एक उच्च यांत्रिक अभिक्षमता वाला व्यक्ति उपयुक्त प्रशिक्षण का अधिक लाभ उठाकर एक अभियंता के रूप में अच्छा कार्य कर सकता है। इसी प्रकार भाषा की उच्च अभिक्षमता वाले एक व्यक्ति को प्रशिक्षण देकर एक अच्छा लेखक बनाया जा सकता है।

(3) अभिरुचि (interest) का अर्थ किसी व्यक्ति की अन्य क्रियाओं की अपेक्षा किसी एक अथवा एक से अधिक विशिष्ट क्रियाओं को स्वयं को अधिक जारी रखने की तत्परता से है। विद्यार्थियों की अभिरुचि के मूल्यांकन से हमें यह निर्णय लेने में सहायता मिल सकती है। कि वे किन विषयों या पाठ्यक्रमों को सफलता के साथ अध्ययन कर सकते हैं। अभिरुचि की माप हमें विकल्पों के निर्धारण में सहायता करता है। जो जीवन में संतुष्टि के साथ-साथ कार्य निष्पादन को उन्नत करता है।

(4) व्यक्तित्व (personality) से अर्थ व्यक्ति की अपेक्षाकृत स्थायी प्रकार की उन विशेषताओं से है जो उसे अन्य व्यक्तियों से भिन्न बनाती है। व्यक्तित्व परीक्षण व्यक्ति की अद्वितीय विशेषताओं जैसे - व्यक्ति प्रभावी है /

को विनम्र, जागरूक है। या विक्षिप्तता,
संवेगात्मक: स्थिर है। या तनाव, मिजाज आदि का
मूल्यांकन करने का प्रयास करता है। व्यक्तित्व-
मूल्यांकन हमें किसी व्यक्ति के व्यवहारों की व्याख्या करने में
सहायता प्रदान करने के साथ-साथ यह पूर्वकथन करने
की क्षमता प्रदान करता है। कि व्यक्ति भविष्य में
कैसा व्यवहार करेगा,

(5) मूल्य (value) आदर्श व्यवहारों के संबंध में व्यक्ति के स्थायी विश्वास होते हैं। व्यक्ति के मूल्य उसके जीवन में व्यवहारों के लिए एक मानक निर्धारित करते हैं। और उन्हें निर्देशित करते हैं। मूल्यों द्वारा ही व्यक्ति स्वयं और व्यक्तियों के व्यवहारों के औचित्य का मूल्यांकन करता है। मूल्यों के मूल्यांकन में हम किसी व्यक्ति में प्रभावी मूल्यों का निर्धारण करते हैं। उदाहरण के लिए मूल्यांकन द्वारा हम यह जानना चाहते हैं। कि किसी व्यक्ति में राजनीतिक, धार्मिक, सामाजिक, आर्थिक आदि मूल्यों में से कौन-सा मूल्य उसके व्यवहारों को निर्देशित करने हेतु प्रभावी रहता है।

डा. Pramod Kumar Sahu,
Date - 02/07/2020,
V.S.J. College, RAJNAGAR.

Scanned with CamScanner